Date 15/06/21 Page No.:

विषय- संस्कृत, बी॰ए॰ स्नातक (प्रतिष्ठा)
प्रथम वर्ष, प्रथम पत्र
किरातार्जुनीयम् - प्रथम सर्ग

डॉ॰ ओम प्रकाश आर्य
महाराजा कॉलेज, आरा

पद्यांश - व्याख्या -

भवादृशेषु प्रमदाजनोदितं
भवत्यधिक्षेप इवानुशासनम् ।
तथापि वक्तुं व्यवसाययन्ति
मां निरस्तनारीसमया: दुराधय: ॥28॥

अन्वय:- भवादृशेषु प्रमदाजनोदितम् अनुशासनम् अधिक्षेप: इव भवति । तथापि निरस्तनारीसमया: दुराधय: मां वक्तुं व्यवसाययन्ति ।

भावार्थ-

अपना वचन आरम्भ करती हुई द्रौपदी युधिष्ठिर से कहती है कि आप जैसे लोगों से किसी स्त्री का कुछ उपदेश तिरस्कार जैसा ही है किन्तु इस समय मानसिक व्यथाएँ स्त्रियोचित मर्यादा तोड़कर कुछ कहने के लिए मुझे प्रेरित कर रही हैं।

भाषार्थ-

(भवादृशेषु प्रमदाजनोदितम्) आप जैसे लोगों के प्रति किसी स्त्री द्वारा कहा गया (अनुशासनम्) उपदेश (अधिक्षेप: इव भवति) तिरस्कार के समान ही होता है। (तथापि) फिर भी (निरस्तनारीसमया: दुराधय:) मन की दुखदायी व्यथाएँ जिन्होंने स्त्रियोचित आचार को लुप्त कर दिया है (मां वक्तुं व्यवसाययन्ति) मुझे कहने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

"Strength does not come from physical capacity. It comes from an indomitable will." -Mahatma Gandhi

IND CamScanner App

Date ___/___/______ Page No.: ______

पदव्याख्या -

भवादृशेषु = आप जैसे लोगों के बारे में, भवान् इव दृश्यन्ते ते भवादृशाः, तेषु (उपपद तत्पु०)। अथवा भवन्तमिव पश्यन्ति जना एतान्, भवत् + दृश् + कञ् (कर्मकर्तरि) प्रमदाजनोदितम् = स्त्री द्वारा कहा गया प्रकृष्टो मदो यस्याः सा प्रमदा अथवा प्रमदो हर्षो ऽस्ति यस्या इति प्रमदा, एव जनः प्रमदाजनः, तेन उदितम्। प्र + मद् + अप् (भावे) प्रमदः। उदितम् = वद् + क्त (कर्मणि)। 'प्रमदा मानिनी कान्ता ललना च नितम्बिनी' इत्यमरः। अनुशासनम् अधिक्षेप इव भवति = उपदेश तिरस्कार के समान होता है। अनुशासनम् = आदेश, उपदेश, परामर्श। अनु + शास् + ल्युट्। अधिक्षेप = तिरस्कार, अपमान, अधि + क्षेप + घञ्। मां वक्तुं व्यवसाययन्ति = मुझे बोलने के लिए प्रेरित करती है। वच् + तुमुन्, वि + अव + सो + णिच् + लट्। ('दुराधयः' की क्रिया) निरस्तनारीसमयाः = स्त्रियोचित व्यवहार को लुप्त करनेवाली ('दुराधयः' का विशेषण) समया = व्यवहार आचार। नारीणां समयाः, नारीसमयाः, निरस्ताः नारीसमयाः यैः ते निरस्तनारीसमयाः, (बहुव्रीहि)। निर् + अस् + क्त = निरस्तम्। दुराधयः = बुरी मानसिक व्यथाएँ। आधीयते दुःखमनेन अथवा आधीयते प्रतीकाराय मनोऽनेन इति वा, आधिः, दुष्टाः आधयः (प्रादि तत्पु०)। आ + धा + कि। 'उपसर्गे घोः किः' सूत्र से। 'पुंस्याधिर्मानसी व्यथा' ।। इति ।।

"You have to take the calculated risk, to earn something." -Dhirubhai Ambani

IND CamScanner App